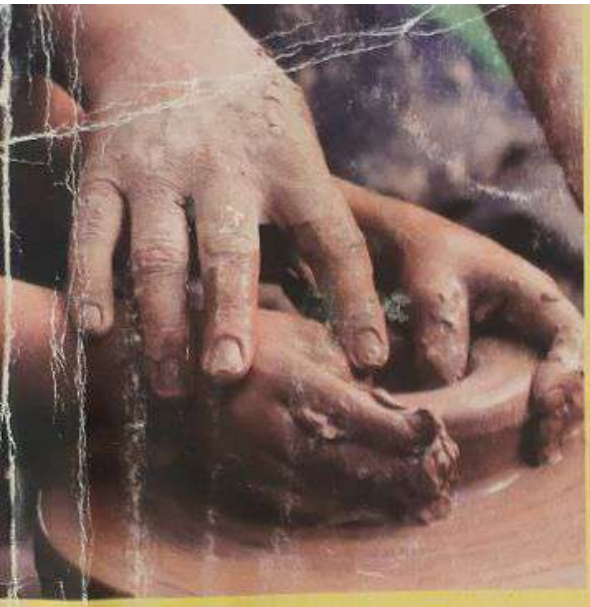

कक्षा 11′ के लिए पाठ्यपुस्तक

मानव पारिस्थितिकी और परिवार विज्ञान

भाग 2

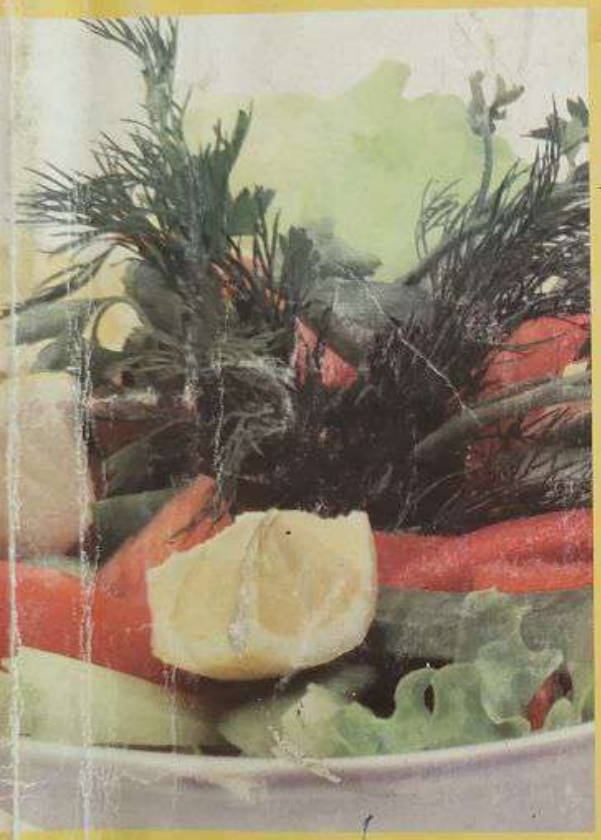

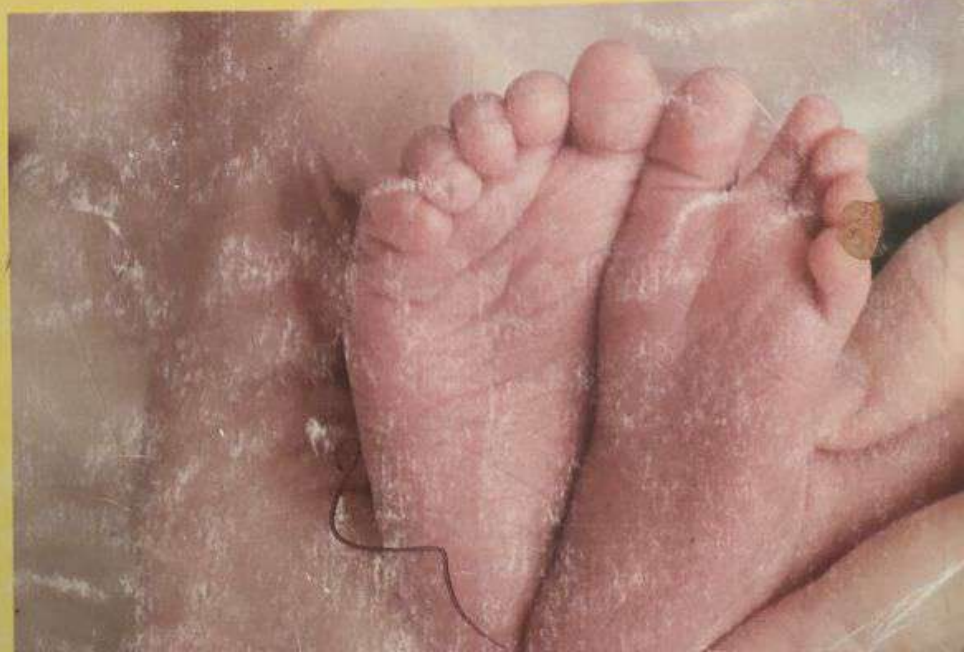

विस्तार अध्यापन विधियाँ

विस्तार कार्य में अनेक विधियों का प्रयोग किया जाता है, ये निम्नलिखित हैं –

(i) **फार्म और घर में जाना** – विस्तार कार्यकर्ता द्वारा किसी एक व्यक्ति और/या परिवार के सभी सदस्यों के साथ प्रत्यक्ष या आमने-सामने संपर्क का कार्य है, ताकि जानकारी का आदान-प्रदान हो और उनकी समस्याओं का पता चले।

(ii) **परिणाम प्रदर्शन** – परिणाम प्रदर्शन सुझाई गई रीतियों के लाभ सिद्ध करने और स्थानीय परिस्थितियों में उनकी उपयोगिता दर्शाने के लिए एक शैक्षिक परीक्षण है। इस विधि का प्रयोग कुछ रीतियों की श्रेष्ठता दिखाने के लिए किया जा सकता है, जैसे खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों, पीड़कनाशकों तथा बीजों की उच्च उत्पादी किस्मों का प्रयोग।

(iii) **विधि प्रदर्शन** – इसका प्रयोग काम करने की तकनीक या नयी रीतियाँ अपनाने की तकनीक दिखाने के लिए किया जाता है, जैसे नर्सरी की क्यारी तैयार करना, बीजों का कीटनाशकों तथा कवकनाशकों से उपचार करना, रेखा-बुआई, मृदा का नमूना लेना, फलों के पेड़ों में कलम लगाना आदि।

(iv) **समूह चर्चाएँ** – विस्तार कार्यकर्ता सभी किसानों के साथ अलग-अलग संपर्क नहीं कर सकता क्योंकि किसानों की संख्या बहुत अधिक होती है। उनके साथ समूहों में संपर्क करना सुविधाजनक एवं व्यवहार साध्य होता है। इस विधि को प्राय: समूह चर्चा कहते हैं।

(v) **प्रदर्शनियाँ** – प्रदर्शनी में एक तर्कसंगत अनुक्रम में जानकारी दी जाती है। नमूनों, मॉडलों, पोस्टरों, चित्रों तथा चार्टों का सुव्यवस्थित प्रदर्शन होता है। यह प्रदर्शित चीजों में आगंतुकों की रुचि पैदा करने के लिए आयोजित की जाती है। प्रदर्शनियों का प्रयोग विविध विषयों के लिए किया जाता है, यथा आदर्श गाँव की योजना बनाना या सिंचाई की उन्नत रीतियाँ दिखाना।

(vi) **साधारण बैठकें** – लोगों को भविष्य की कार्यवाही हेतु कुछ जानकारी देने के लिए अकसर बैठकें आयोजित की जाती हैं। उदाहरणत:, वन महोत्सव, राष्ट्रीय उत्सव आदि मनाने के लिए समुदाय को तैयार करना।

(vii) **अभियान** – लोगों का ध्यान किसी समस्या-विशेष पर केंद्रित करने के लिए अभियान चलाया जाता है, यथा चूहा नियंत्रण, गाँव की स्वच्छता तथा पादप संरक्षण, रबी फसलों का उत्पादन और परिवार नियोजन। इससे समुदाय में आत्मविश्वास बढ़ता है और लोग भावनात्मक रूप से कार्यक्रम के साथ जुड़ते हैं।

(viii) **दौरा और इलाकों की यात्रा** – किसानों को विश्वास दिलाने के लिए, नयी रीतियों, प्रदर्शन कौशलों, नए उपकरणों आदि के परिणाम देखने का एक अवसर उपलब्ध कराने के लिए उनके दौरों और यात्राओं का आयोजन किया जाता है। इससे उन्हें अपने क्षेत्र में इनकी उपयुक्तता तथा अनुप्रयोग के बारे में राय बनाने में मदद मिलती है।

(ix) **दृश्य-श्रव्य साधनों का प्रयोग यथा –**

- *मुद्रित सामग्री (साहित्य)* – बड़ी संख्या में साक्षर लोगों को जानकारी देने के लिए समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, बुलेटिन, लीफ़लेट, फोल्डर, पेम्फलेट और दीवारी समाचार-शीट आदि का प्रयोग इसमें शामिल है।